विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

प्रेस विज्ञप्ति

18-07-2020

विश्वविद्यालयों के लिए टर्मिनल सेमेस्टर (सेमेस्टरों) /अंतिम वर्ष की परीक्षाएं

परीक्षाएं शिक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के ज्ञान अर्जन, कौशल और अन्य दक्षताओं के आंकलन का एक अभिन्न अंग है । परीक्षाओं में प्रदर्शन योग्यता, आजीवन विश्वसनीयता, प्रवेश, छात्रवृत्ति, अवार्ड, प्लेसमेंट और बेहतर भविष्य की संभावनाओं के लिए व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता में योगदान देता है।

अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, हांगकांग और अन्य देशों सहित विश्व भर में बड़ी संख्या में सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों ने परीक्षाएं संचालित की हैं या संचालित कर रहे हैं जिसमें वे विभिन्न विकल्प जैसे कि ऑनलाइन/ ऑफलाइन/मिश्रित या परीक्षाओं के अन्य वैकल्पिक रूप अपना रहे हैं।

विद्यार्थियों के विश्व स्तरीय शैक्षणिक और कैरियर की प्रगति से संबंधित वृहतर हितों की रक्षा के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 29, अप्रैल, 2020 को परीक्षाओं और शैक्षणिक कैलेंडर के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें उल्लेख किया गया कि टर्मिनल सेमेस्टर (सेमेस्टरों) /अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ 1-15 जुलाई, 2020 के बीच संचालित की जा सकती हैं।

बढ़ती हुई कोविड -19 महामारी की स्थिति को देखते हुए जुलाई, 2020 के महीने में परीक्षाओं का संचालन करना कठिन था, इसलिए, गृह मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के निर्देशों के अनुसार यूजीसी ने परीक्षाओं और शैक्षणिक कैलेंडर के बारे में 06 जुलाई, 2020 को संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए।

उसके अनुसार, विश्वविद्यालयों को कोविड -19 महामारी से संबंधित निर्धारित प्रोटोकॉल/दिशानिर्देशों का पालन करते हुए टर्मिनल सेमेस्टर/अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ऑफलाइन (पेन एवं पेपर) /ऑनलाइन/मिश्रित (ऑनलाइन + ऑफलाइन) पद्धति में सितंबर, 2020 के अंत तक पूरा करने के लिए एक योजना तैयार करनी थी। दिशानिर्देशों में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में टर्मिनल सेमेस्टर/अंतिम वर्ष का कोई भी विद्यार्थी उपस्थित होने में असमर्थ रहता है, चाहे जो भी कारण रहा हो, तो उसे ऐसे पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) /प्रश्नपत्र (प्रश्नपत्रों) के लिए विशेष परीक्षाओं में बैठने का अवसर दिया जा सकता है, जो विश्वविद्यालयद्वारा , जब भी संभव हो, संचालित की जा सकती हैं, ताकि विद्यार्थी को कोई भी असुविधा/नुकसान न हो। यूजीसी ने अपने 8 जुलाई, 2020 के पत्र द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सुझाए गए अनुसार मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को भी संप्रेषित किया।

हाल ही में विश्वविद्यालयों को परीक्षा के संचालन की स्थिति से अवगत कराने के लिए आग्रह किया गया था। 945 विश्वविद्यालयों (यूजीसी द्वारा 01.06.2020 तक बनाई गई सूची के अनुसार) में से 755 विश्वविद्यालयों (120 सम विश्वविद्यालय, 274 निजी विश्वविद्यालय, 40 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 321 राज्य विश्वविद्यालय) से सूचना प्राप्त हुईं थी। शेष विश्वविद्यालयों से सूचना प्राप्त की जा रही है।

755 विश्वविद्यालयों में से 560 विश्वविद्यालयों ने परीक्षा संचालित की है या संचालित करने की योजना बना रहे हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार हैं:

(i) 194 विश्वविद्यालय पहले ही परीक्षा (ऑन-लाइन/ऑफ-लाइन) आयोजित कर चुके हैं;
(ii) 366 विश्वविद्यालय अगस्त/सितंबर में परीक्षा (ऑन-लाइन/ऑफ-लाइन/मिश्रित पद्धति) आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, 27 निजी विश्वविद्यालय, जो 2019-20 के दौरान आज तक स्थापित किए गए थे, उनका पहला बैच अभी तक अंतिम परीक्षा के लिए पात्र नहीं बना है।

सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग